aglasem.com

FOR KARNATAKA CLASS 10 PREPARATION

Karnataka SSLC Model Question Paper 2027 for Hindi First Language (Paper 2) Key Answers

EXAM	YEAR	TYPE	SUBJECT
Karnataka Class 10	2027	Answer Key	Hindi

ಕರ್ನಾಟಕ ಶಾಲಾ ಪರೀಕ್ಷೆ ಮತ್ತು ಮೌಲ್ಯನಿರ್ಣಯ ಮಂಡಳಿ

6 ನೇ ಅಡ್ಡರಸ್ತೆ, ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, ಬೆಂಗಳೂರು-560003

KARNATAKA SCHOOL EXAMINATION AND ASSESSMENT BOARD

6th Cross, Malleshwaram, Bengaluru – 560003

2026-27 ನೇ ಸಾಲಿನ ಎಸ್. ಎಸ್. ಎಲ್. ಸಿ. ಮಾದರಿ ಉತ್ತರಗಳು - **02**

S.S.L.C. MODEL ANSWERS – 02 - 2026-27

ವಿಷಯ: ಪ್ರಥಮ ಭಾಷೆ- ಹಿಂದಿ

Subject: First Language- HINDI

ಸಮಯ: **3** ಗಂಟೆ **15** ನಿಮಿಷಗಳು ಗರಿಷ್ಠ ಅಂಕಗಳು: **100**

ವಿಷಯ ಸಂಕೇತ: **06H** **Subject Code : 06H**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य सूचनाएं:

1. **इस प्रश्नपत्र में कुल 45 प्रश्न हैं।**
2. **सभी प्रश्नों के लिए दिए गए निर्देशों का पालन करें।**
3. **प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके दाहिनी ओर हाशिये में दिए गए हैं।**
4. **प्रश्नों के उत्तर देने के लिए अधिकतम समय इस पृष्ठ के ऊपर दिया गया है, जिसमें प्रश्न पत्र पढ़ने के 15 मिनट भी शामिल हैं।**

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
I	**बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर ।**	6X6=6
1	'विश्वास' शब्द का विलोम रूप है – अ). विश्वसनीय आ). भरोसा इ). अविश्वास ई). यकीन **उत्तर : (** इ). अविश्वास	
2	'सौभाग्य' शब्द में उपसर्ग है – अ). भाग्य आ). सौ इ). सौभ ई). ग्य **उत्तर : (**आ). सौ	
3	'दृग' शब्द का पर्यायवाची रूप है – अ). वस्त्र आ). दिन इ). गज ई). आँख **उत्तर : (** ई). आँख	
4	निम्नलिखित में से प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया रूप है – अ). देख आ). देखना इ). दिखाना ई). दिखवाना। **उत्तर : (**इ). दिखाना	
5	निम्नलिखित में से 'नाक काटना' मुहावरे का अर्थ है – A. अ). सहारा देना आ). अपमानित करना इ). प्यास बुझना ई) टांग अड़ाना **उत्तर : (** आ). अपमानित करना	
6	निम्नलिखित में से भूतकाल में प्रयुक्त वाक्य है – अ). वरुण ने पाठ पढ़ा । आ). सरोजा कहानी सुनाती है । इ). किसान हल चलाएगा ई). माँ रोटी खिला रही है । **उत्तर : (**अ). वरुण ने पाठ पढ़ा ।	
II.	**अनुरूपता के उत्तर ।**	4X1=4
7	दिग्गज : व्यंजन संधि : : रवीन्द्र : ____। **उत्तर : दीर्घ संधि**	

8	त्रिपुंड : द्विगु समास : : भाई- बहन :____। **उत्तर : द्वंद्व समास**	
9	जो विदेश में रहता है : विदेशी : : जो पढ़ा लिखा न हो :_____। **उत्तर : अनपढ़**	
10	तुम पढ़ो । : आज्ञावाचक वाक्य : : तुम्हारा नाम क्या है ? :____। **उत्तर : प्रश्नवाचक वाक्य**	
III.	**एक एक पूर्ण वाक्य में उत्तर ।**	**7x1=7**
11	लाला झाऊलाल छत पर क्यों टहल रहे थे ? **उत्तर :** उस शाम को पं. बिलवासी मिश्र को आना था। यदि न आए तो? या कहीं रुपए का प्रबंध वे न कर सके? इसी उधेड़-बुन में पड़े लाला झाऊलाल छत पर टहल रहे थे।।	
12	सत्याग्रह आश्रम की नींव कहाँ रखी गई ? **उत्तर :** साबरमती के किनारे सत्याग्रह आश्रम की नींव रखी गई ।	
13	तीसरे महाशय बाजार क्यों गए थे ? **उत्तर :** तीसरे महाशय आनंद के क्षण पाने के लिए बाज़ार में कबूतर बाज़ी का मैच देखने गए थे।	
14	लोकगीत के मुख्य विषय क्या होता है ? **उत्तर : लोकगीत के मुख्य विषय जनजीवन, संस्कृति, रीति-रिवाज, रोजमर्रा की विषय होते हैं।**	
15	कवि अज्ञेय जी उधार देने से क्यों डरते हैं ? **उत्तर :** कवि अज्ञेय जी उधार देने से डरते हैं क्योंकि वे सिर्फ लेना जानते हैं , देना उनके प्रकृति नहीं ।	
16	मज़हब क्या नहीं सिखाता? ? **उत्तर :** मज़हब हमें आपस में बैर रखना नहीं सिखाता ।	
17	जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग क्या है ? **उत्तर :** परिश्रम ही जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग है ।	

IV.	**दो तीन वाक्यों में उत्तर ।**	**10X2=20**
18	गांधीजी के व्यक्तित्व का परिचय दीजिए । **उत्तर :** महात्मा गांधी का पूरा नाम मोहनदास करमचंद गांधी था। उनका जन्म 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर नामक स्थान पर हुआ था।उनके पिता का नाम करमचंद गांधी और माता का नाम पुतलीबाई था।उनका विवाह बहुत कम उम्र में कस्तूरबा गांधी के साथ हो गया था।गांधी जी की शुरुआती शिक्षा पोरबंदर और राजकोट में पूरी हुई।वकालत की उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वह इंग्लैंड गए थे।महात्मा गांधी भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के महान नेता थे जिन्हें राष्ट्रपिता कहा जाता है। उनका पूरा जीवन सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह के सिद्धांतों को समर्पित था।	
19	रत्नाकर जी और शर्मा जी क्यों खिलखिलाता हँस पड़े ? **उत्तर :** 'आनंद के क्षण' पाठ में रत्नाकर जी और शर्मा जी के खिलखिलाकर हँसने का कारण उनके बीच हुआ एक मजेदार और हास्यपूर्ण संवाद था।रत्नाकर जी शरीर से थोड़े मोटे थे और शर्मा जी पतले थे। जब वे दोनों साथ चल रहे थे, तब रत्नाकर जी बहुत धीरे-धीरे टहलते हुए चल रहे थे। यह देखकर शर्मा जी ने उन पर व्यंग्य कसते हुए कहा— "रत्नाकर जी, आप भी क्या जनवासे जैसी चाल चलते हैं!"शर्मा जी की इस बात पर रत्नाकर जी ने जवाब दिया— "मैं कोई डाक हरकारा तो हूँ नहीं कि जब चलूँ, भागता हुआ चलूँ।"रत्नाकर जी का यह करारा और मजेदार जवाब सुनकर दोनों अपनी हँसी नहीं रोक पाए और खिलखिलाकर हँस पड़े।।	
20	आजकल लोक गीतों का संग्रह क्यों हो रहा है ? **उत्तर :** एक समय था जब केवल शास्त्रीय संगीत को ही उच्च माना जाता था और लोकगीतों को हेय (तुच्छ) या उपेक्षित नजरों से देखा जाता था। लेकिन अब लोगों की इस सोच में भारी बदलाव आया है और आम जनता के साथ-साथ विद्वानों की रुचि भी लोक-साहित्य और लोकगीतों की ओर बढ़ी है। इसीलिए अब लोक साहित्य और लोकगीतों का संग्रह हो रहा है ।	
21	कीव शहर के बारे में लेखक नरेन्द्र भट्टाचार्य ने क्या कहा है ? ? **उत्तर :** नरेन्द्र भट्टाचार्य जी ने कीव शहर को एक शांत, सुन्दर बाग, बगीचों से समृद्ध और सांस्कृतिक विरासत से भरपूर शहर बताया है। नदी के किनारे पहाड़ को छूती हुई रेलवे लाइन दूर तक जाती है। नदी के ऊपर एक बहुत बड़ा पुल है । उस पर रेल और मोटर गुजरने की व्यवस्था है । नदी के किनारे से कीव स्टेशन लगभग डेढ़ मील दूर है, शहर के मकान , नदी में नहाते लोग, नावों में मछली पकड़ने के लिए बैठे लोग, मोटर बोटों की दौड़ आदि पुल से ही नजर आने लगते हैं ।	
22	कवि अज्ञेय जी किन द्रव्यों के आधार से जीता था ? ? **उत्तर :**	

	कवि 'अज्ञेय' प्रकृति के विभिन्न तत्वों और उनसे उधार लिए गए द्रव्यों (गुणों) के आधार पर जीता है। जैसे धूप से - थोड़ी सी गरमाई (ऊर्जा या उष्णता) चिड़िया से - थोड़ी सी मिठास, घास की पत्ती से - तिनके की नोक भर हरियाली, शंखपुष्पी से - किरण की ओक भर उजास , हवा से - बस एक प्रश्वास भर खुलापन , लहर से - एक रोम की सिहरन-भर उल्लास , आकाश से - आँख की झपकी भर असीमता ।	
23	हिमालय पर्वत से भारत को किस प्रकार के प्रयोजन है ? ? **उत्तर :** कवि इक़बाल जी ने अपनी रचना " सारे जहाँ से अच्छा "में भारत के मुकुट हिमालय (पर्बत वो सबसे ऊँचा) का ज़िक्र करते हुए कहते हैं, वह पर्वत (हिमालय) जो सबसे ऊँचा है और आसमान का पड़ोसी (हमसाया) लगता है, वह हमारी रक्षा करने वाला संतरी और पहरेदार है। इस हिमालय की गोदी में भारत की हज़ारों नदियाँ खेलती हैं और इन नदियों के कारण ही हमारा यह देश एक ऐसा सुंदर बगीचा बना है, जिस पर स्वर्ग भी ईर्ष्या करता है।	
24	नेपोलियन और उसकी बहन के चरित्र में क्या अंतर है? बताइए । **उत्तर** : नेपोलियन और उसकी बहन के स्वभाव और चरित्र में मुख्य अंतर यह था कि नेपोलियन अत्यंत साहसी, सत्यवादी, दृढ़ प्रतिज्ञा और ज़िम्मेदार थे, जबकि उनकी बहन डरपोक, बात को छुपाने वाली और कम साहसी स्वभाव की थीं।	
25	स्काउट दल की प्रशिक्षण विभागों को समझाइए । **उत्तर :** स्काउट संगठन के अधीन बालक बालिकाओं को इन विभागों में प्रशिक्षण दिया जाता है। 5 से 10 वर्ष के बालकों को कब और बालिकाओं को बुलबुल कहा जाता है। 10 से 16 वर्ष के बालकों को स्काउट और बालिकाओं को गाइड प्रशिक्षण दिया जाता है। सोलह से पच्चीस वर्ष के युवकों को रोवर और युवतियों को रेंजर प्रशिक्षण दिया जाता है ।	
26	पण्डित, रैदास से मूर्ति क्यों माँग रहा था ? **उत्तर :** लोक-कथाओं के अनुसार, पंडित जी संत रैदास (रविदास) से शालिग्राम की मूर्ति (या ठाकुर जी की मूर्ति) इसलिए मांग रहे थे क्योंकि उन्हें लगता था कि रैदास एक चर्मकार परिवार से हैं, इसलिए भगवान की मूर्ति रखने या उनकी सही पूजा करना नहीं जानते । इस प्रसंग के पीछे ईर्ष्या और जातिगत अहंकार , रूढ़िवादीता का स्वरूप मिलता है ।	
27	“कुछ खास तो नहीं “ हेलन के मित्र के इस जवाब से हेलन को आश्चर्य क्यों हुआ ? **उत्तर :** हेलेन केलर को अपनी मित्र का यह जवाब कि "कुछ खास तो नहीं" सुनकर इसलिए आश्चर्य हुआ क्योंकि वे खुद देख नहीं सकती थीं, फिर भी स्पर्श और सुनने की शक्ति से प्रकृति के सुंदर रूपों का आनंद लेती थीं।जबकि उनकी मित्र के पास आंखें थीं, फिर भी वह जंगल में	

	प्रकृति के अद्‌भुत नजारों को नहीं देख पाई और उसने उपेक्षा करते हुए साधारण सा जवाब दे दिया। हेलेन मानती थीं कि जिन लोगों के पास आँखें होती हैं, वे लोग अक्सर अपनी इस क्षमता की कदर नहीं करते।	
V.	**लेखक / कवि परिचय ।**	**2X3=6**
28	**बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' ।** **उत्तर :** i) जन्म : नवीन जी का जन्म 1897 ई॰ में ग्वालियर राज्य के भुजालपुर गाँव में हुआ । ii) कृतियाँ : प्राणर्पण, उर्मिला, रश्मिरेखा, कुमकुम, क्वासी - आदि । iii) अन्य जानकारियाँ: नवीन जी कवि, लेखक वक्ता और देशभक्त भी थे। स्वतंत्रता के बाद भारतीय संविधान परिषद के सदस्य भी बने थे । 1960 में आपका स्वर्गवास हो गया । 'नवीन' आपका काव्यनाम है ।	
29	**मन्नू भंडारी ।** **उत्तर :** i) जन्म : मन्नुजी का जन्म 3 अप्रैल 1931 को मध्यप्रदेश में मंदसौर जिले के भानापुरा गांव में हुआ। ii) कृतियाँ : एक फ्लैट सैलाब , मैं हार गई , तीन निगाहों की एक तस्वीर, यही सच है , त्रिशंकु रजनी, निर्मला , स्वामी दर्पण, बिना दीवारों का घर आदि । iii) अन्य जानकारियां : इनका बचपन का नाम महेन्द्रकुमारी था। पिता सुख संपत्तराम जाने माने लेखक हैं ।	
VI.	**छंद पहचानिए ।**	**1X3=3**
30	जो गरीब सो हित करै, धनि रहीम वे लोग । **उत्तर :** S ।S। S ।। ।S ।। ।S। S S। जो गरीब सो हित करै, धनि रहीम वे लोग। i) यह दोहा छंद है । ii) यह एक अर्धसम मात्रिक छंद है । iii) इसके पहले और तीसरे चरण में 13 -13 मात्राएं और दूसरे और चौथे चरण में 11-11 मात्राएं होती हैं। iv) हर पंक्ति में 24 मात्राएँ ।	
VII.	**अलंकार पहचानिए ।**	**1X3=3**
31	कनक - कनक ते सौ गुनी, मादकता अधिकाय । **उत्तर :** i) यह यमक अलंकार है ।	

	ii) यह शब्दालंकार का भेद है । iii) यहाँ कनक शब्द का प्रयोग दो बार हुआ है, लेकिन भिन्न भिन्न अर्थों में धतूरा, और सोने के अर्थ में	
VIII.	**सन्दर्भ के साथ व्याख्या ।**	**4X3=12**
32.	" अरे, आज तो इक्तीस है । आज तो ले ले । " **उत्तर :** पाठ का नाम : सदाचार का तावीज़ । लेखक का नाम : हरिशंकर परसाई। । सन्दर्भ व व्याख्या : यह वाक्य राजा और एक सरकारी कर्मचारी के बीच की बातचीत का हिस्सा है। राजा पाँच तारीख को भेष बदलकर दफ्तर जाते हैं और एक कर्मचारी को रिश्वत के रूप में ₹5 का नोट देते हैं। उस समय कर्मचारी रिश्वत लेने से साफ मना कर देता है। राजा बहुत खुश होते हैं कि तावीज सफल रहा।इसके बाद, राजा महीने के आखिरी दिन (इकतीस) को दोबारा भेष बदलकर उसी कर्मचारी के पास जाते हैं और फिर से ₹5 का नोट निकालते हैं। इस बार कर्मचारी का तावीज बोलता है—"अरे, आज तो इकतीस है आज तो ले ले।" कर्मचारी राजा का हाथ पकड़कर नोट अपनी जेब में रख लेता है। विशेषता : यहां सर्वव्यापी भ्रष्टाचार पर व्यंग्य किया गया है।।	
33	" आदमी जो है इतनी अकल कहाँ । " **उत्तर** : पाठ का नाम : एक कुत्ता और एक मैना। लेखक का नाम : हजारीप्रसाद द्विवेदी सन्दर्भ व व्याख्या : इस अंश में लेखक ने गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के आश्रम के पास रहने वाले एक मैना दंपत्ति के क्रियाकलापों और उनकी आपसी बातचीत का मानवीकरण किया है। जब मैना जोड़ा आपस में तिनके इकट्ठे कर रहा होता है या दाना चुग रहा होता है, तब वे मनुष्यों की हरकतों को देखते हैं। लेखक कल्पना करते हैं कि वे दोनों आपस में मनुष्यों की अज्ञानता पर हंस रहे हैं।मैना अपनी पत्नी से कहती है कि "यह आदमी है; इसमें इतनी अक्ल (बुद्धि) कहाँ कि हमारी भावनाओं, हमारे प्रेम या हमारे सीधे-सादे जीवन को समझ सके!" विशेषता: मानव खुद को सबसे बुद्धिमान जीव समझता है, लेकिन मनुष्य अक्सर आत्मकेंद्रित और असंवेदनशील है।	
34	" मैं सप्त स्वरों से ऊपर अष्टम स्वर हूँ, परम मधुर हूँ । " **उत्तर :** पाठ का नाम : रुपया बोलता है लेखक का नाम : पाण्डेय बेचन शर्मा उग्र। सन्दर्भ व व्याख्या :इस अंश में रुपया अपनी सर्वव्यापकता और अद्वितीय महत्ता को अहंकार और गर्व के साथ प्रकट करता है। वह कहता है—"मैं सप्त स्वरों से ऊपर अष्टम स्वर हूं, परम मधुर हूं..: रुपए का मानना है कि दुनिया के बेहतरीन संगीत से भी ज्यादा मीठी ध्वनि उसकी अपनी है। यहाँ रुपया यह स्पष्ट कर रहा है कि संगीत के स्वर तो केवल मन को आनंद देते हैं, लेकिन रुपए की खनक सुनते ही इंसान के सारे दुख दूर हो जाते हैं और वह उसे पाने के लिए खिंचा चला आता है। इसलिए रुपए का स्वर 'परम मधुर' और सर्वश्रेष्ठ है। ।	

35	विशेषता : यहाँ रुपया खुद अपने मुँह से समाज में अपनी ताकत, महत्ता और प्रभाव का बखान कर रहा है। "जब सब निढाल हो सोते थे , वह शून्य में टकटकी लगाए रहता था ।" **उत्तर :** कविता का नाम : पिछड़ा आदमी। कवि का नाम : सर्वेश्वर दयाल सक्सेना सन्दर्भ व व्याख्या: जब सामान्य लोग दिनभर की थकान के बाद गहरी नींद में सो जाते थे तब पिछड़ा आदमी जिसे समाज सुस्त या अज्ञानी समझता है, असल में वह गूढ़ चिंतन में डूबा रहता है। जब बाकी लोग दुनिया की अंधी दौड़ में शामिल होकर अंत में थककर उदासीन नींद सोते हैं, तब यह अकेला व्यक्ति समाज के भविष्य, व्यवस्था , खतरों के बारे में गहराई से सोच रहा होता है। उसकी यह 'शून्यता में टकटकी' उसकी गहरी चिंता, दूरदर्शिता और संवेदनशीलता का प्रतीक है।। विशेषता: पिछड़ा आदमी की समझ और अनूठी सजगता को दर्शाया है ।	
IX.	**चार - पाँच वाक्यों में उत्तर ।**	**3X3=9**
36	लाला झाऊलाल ने पंडित बिलवासी को अपनी कौन सी विपदा सुनाई ? विवरण दीजिए। **उत्तर :** लाला झाऊलाल की पत्नी ने उनसे एक सप्ताह पहले 250 रुपये की मांग की थी। लाला जी ने एक सप्ताह में पैसे देने का वादा तो कर दिया था, लेकिन छह दिन बीत जाने के बाद भी वे पैसों का प्रबंध नहीं कर पाए थे। सातवाँ दिन आ गया था और यदि वे पैसे नहीं दे पाते, तो पत्नी के सामने उनकी प्रतिष्ठा और साख पर बात आ जाती। इसी घबराहट और परेशानी में उन्होंने पाँचवें-छठे दिन अपने मित्र पंडित बिलवासी जी को अपनी यह आर्थिक विपदा सुनाई थी।	
37	सिपाही ने सरायवाले से बच्चे और स्त्री को सराय से निकालने के लिए क्यों कहा? स्पष्ट कीजिए? **उत्तर:** सिपाही दिनभर का थका-हारा था और रात को आराम करने के लिए सराय में रुका था। लेकिन पास के ही एक कमरे से बच्चे के लगातार रोने की आवाज़ आ रही थी।सिपाही के लिए वह रोना उसकी नींद में एक बड़ी रुकावट था। वह पूरी तरह से स्वार्थी हो चुका था, जहाँ उसे केवल अपनी आराम की चिंता थी। एक सहाय स्त्री के प्रति दया दिखाने के बजाय, उसे इस बात पर गुस्सा आ रहा था कि कोई उसकी नींद कैसे खराब कर सकता है। इसी झुंझलाहट और संवेदनहीनता के कारण उसने सरायवाले को आदेश दिया कि वह उस रोते हुए बच्चे और स्त्री को तुरंत सराय से बाहर निकाल दे।	
38	बिहारी दास जी भ्रमर के व्यवहार से क्या सीख देना चाहते है ? स्पष्ट कीजिए । उत्तर: बिहारी जी की उक्ति है कि विपरीत समय आने पर सच्चे प्रियजन अपने आश्रय स्थल को एकदम नहीं छोड़ते। वे अच्छे समय के लौटने के इंतजार में उनके साथ ही रहते हैं। दुर्दिन को देखकर गुलाब का प्रेमी भौंरा पुष्प रहित गुलाब के पौधे की जड़ में अटका रहता है कि पुनः	

	वसंत ऋतु आएगी और इन ढालों में पूर्वतः रंगीन पुष्प और पत्ते खिलेंगे ।बिहारी जी सिखाते हैं कि मनुष्य को भी जीवन के बुरे दौर में उम्मीद और अपने हितैषी का दामन नहीं छोड़ना चाहिए।	
X. **39**	पद्यांश की पूर्ति । जग में सुख की प्राप्ति के लिए एक सहायक दुख है । वही जगाता है, सद्‌गुण को , सद्‌गुण लाता सुख है । बाधा , विघ्न , विपत्ति, कठिनता जहाँ जहाँ सुन पाना । सबके बीच निडर हो जाना, दुख को गले लगाना । अथवा पैदा कर जिस देश जाति ने तुमको पाला पोसा । किए हुए हैं वह निज हित का तुमसे बड़ा भरोसा । उससे होना उऋण प्रथम है , सत्कर्तव्य तुम्हारा । फिर दे सकते हो वसुधा को शेष स्वजीवन सारा ।	**1X4=4**
XI. **40**	**पद्यांश का भावार्थ ।** **उत्तर:** कविता का नाम : अक्कमहादेवी के वचन कवयित्री का नाम : अक्कमहादेवी अनुवादिका का नाम: डॉ॰ नंदिनी गुंडू भावार्थ: अक्कमहादेवी अपने वचन में बुराइयों में भी अच्छाई पाने का आशय व्यक्त करते हुए कहती हैं कि अज्ञानियों से स्नेह करने से स्वयं की वृद्धि होती है । क्योंकि उन्हें सुधारते सुधारते स्वयं बहुत कुछ सीख जाते हैं। यहाँ पत्थर अर्थात् अज्ञानी , चिंगारी अर्थात् उसे सशक्त बनाना, ज्ञानियों के संग करने से हम सुलभ रूप से ज्ञानी बन जाएंगे जैसे दही के मथने से माखन निकल आता है। अक्कमहादेवी अपने प्रभु की प्रशंसा करते हुए कहती हैं, तुम्हारे भक्तों का संग करना कर्पूरगिरी की ज्योति को पाने के समान है। विशेषता: ज्ञानियों के संघ का महत्त्व । अथवा भावार्थ: अक्कमहादेवी, इस वचन में स्वयं को धन्य मानती हुई कहती है कि भगवान के सामने कोई गरीब नहीं है। यदि भूख लगी तो गाँव में अन्न देने वाले हैं, प्यास लगी तो कहीं भी पानी की कोई कमी नहीं है, क्योंकि इधर-उधर तालाब हुए हैं, तुम्हारी कृपा से ठंड से बचने	**1X4=4**

	के लिए फटे वस्त्र मिले हैं। सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं। हे प्रभु, तुम्हारा संघ ही मेरे जीवन का सौभाग्य है, आपके बिना मेरा कोई अस्तित्व ही नहीं है। तू ही मेरा प्रिय आत्मसखा है । विशेषता : इस वचन से यह मालूम होता है कि जिसका कोई नहीं होता उसका भगवान ही अपना होता है ।	
XII.	आठ - दस वाक्यों में उत्तर ।	**2X4=8**
41	कर्नाटक की एकीकरण के बारे में अपने विचारों के प्रचार के लिए वेंकटरावजी ने क्या किया ? विवरण दीजिए । उत्तर : कर्नाटक एकीकरण के बारे में अपने विचारों के प्रचार के लिए वेंकटराव जी ने लेखनी हाथ में ली। कर्नाटक पत्र, कर्नाटक वृत्त , कन्नड केसरी आदि पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित कराने लगे। वेंकटराजी को ऐसा लगा कि केवल ग्रंथाध्ययन से काम नहीं चलेगा। इसके लिए शिलालेख, ताम्रपट्ट और वीरगल्लू, मास्तिकल्लू, प्राचीन सिक्के, प्राचीन इमारतें आदि का अध्ययन जरूरी है। कर्नाटक के गत वैभव का शोध करते करते वेंकटराव ने कर्नाटक के कोने कोने का भ्रमण किया। हजारों रुपये खर्च किए पर बदले में उनको दस गुना आत्मविश्वास मिला, जिससे वे संतुष्ट थे। वेंकटराव जी के अनुसार जनता में भारतीय राष्ट्रीयता उत्पन्न करने के लिए प्रादेशिक राष्ट्रीयता जरूरी है। विद्यारण्य ही कर्नाटकत्व के मूल प्रेरक शक्ति हैं। उनके उद्देश्यानुसार कर्नाटक के गत वैभव के स्मरण से छात्रों में चेतना जाग उठी। उन्होंने 'कर्नाटक गत वैभव ' नामक पुस्तक प्रकाशित की जो कर्नाटकियों के हृदय में चिरस्थायी बनकर रहने वाली रचना है अथवा वेंकटराव के जीवन में नया मोड़ कैसे आया ? स्पष्ट कीजिए । उत्तर: आलूर वेंकटराव अपने घराने के कुल पुरोहित के साथ नव वृंदावन गए। वहाँ तुंगभद्रा के प्रशांत तट पर व्यासराय और अन्य माध्व यतियों की समाधियाँ देखीं, फिर हम्पी उत्खनन के बारे में सारी जानकारी प्राप्त करने लगे। समझ में आया कि विजयनगर साम्राज्य की राजधानी यहीं खंडहर हम्पी थी । विद्यारण्य की तपोभूमि, भुवनेश्वरी का पुण्य तटाक, ये सारे चित्र वेंकटरावजी को विस्मित कर गए । दूसरे दिन विरुपाक्ष मंदिर गए । ग्यारह मंजिल का गोपुर आसमान को चूमता सा नज़र आया। मंदिर के अंदर गए। उन्हें लगा पंपानाथ तथा पंपाम्बिका की मूर्तियाँ प्रसन्नता से उन्हें देख रहीं हैं। बगल में भुवनेश्वरी का मंदिर था। उन्हें लगा उस मूर्ति में प्राणों का संचार हुआ है। वह था अभूतपूर्व दिव्यदर्शन । इस यात्रा ने वेंकटरावजी के जीवन को नया मोड़ दिया ।	
42	पुरुषोत्तम के अब्राह्मण के साथ भोजन करने से उनको कैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है ? स्पष्ट कीजिए । उत्तर:	

	अहिल्या के अनुसार, पुरुषोत्तम के अब्राह्मण के साथ एक ही थाली में भोजन करने से परिवार पर बहुत ही बुरा असर पड़ सकता है। जैसे सिर्फ पुरुषोत्तम ही नहीं, सारा कुटुंब ही भ्रष्ट हो जाएगा। कन्याओं का विवाह किसी ब्राह्मण कुटुंब में न हो सकेगा। पुत्र की संतान भी भ्रष्ट हो जाएगी। उसका यज्ञोपवीत न होगा और न ब्राह्मण में विवाह संस्कार । जन्म भर का सारा पूजन अर्चन समाप्त हो जाएगा । जन्म भर के सारे नियमव्रत भंग हो जाएंगे, सबका इहलोक और परलोक बिगड़ जाएगा। सिर्फ पुरुषोत्तम ही नष्ट नहीं होते, कुल का भी नाश हो जाता । अथवा संभाजी को बचाने के सिलसिले में पुरुषोत्तम कैसा कदम उठाते हैं ? स्पष्ट कीजिए । उत्तर: सांभाजी को मुगलों की चौकस निगाहों से सुरक्षित निकालने के लिए उन्हें पुरुषोत्तम के परिवार के एक सदस्य (ब्राह्मण बालक) के रूप में पेश किया गया। जब मुगल अधिकारी और सैनिक सांभाजी की खोज करते हुए पुरुषोत्तम के घर पहुंचे, तो उन्हें संदेह हुआ कि वह बालक कोई साधारण ब्राह्मण नहीं, बल्कि सांभाजी ही हैं।: मुगलों ने पुरुषोत्तम के सामने यह शर्त रखी कि यदि यह सचमुच उनका ही आत्मीय या ब्राह्मण बालक है, तो पुरुषोत्तम को उसके साथ एक ही थाली में बैठकर भोजन करना होगा। उस काल में एक उच्च वर्णीय ब्राह्मण का किसी अन्य जाति या क्षत्रिय के साथ एक थाली में भोजन करना धर्म के विरुद्ध माना जाता था। पुरुषोत्तम ने रूढ़िवादी धार्मिक नियमों से ऊपर उठकर 'देशभक्ति और शरणागत की रक्षा' को ही अपना सच्चा धर्म माना। उन्होंने बिना किसी झिझक के सांभाजी के साथ एक ही थाली में भोजन किया।इस प्रकार, पुरुषोत्तम ने अपने सामाजिक और धार्मिक बंधनों की परवाह न करते हुए, अपने प्राणों को संकट में डालकर सांभाजी की रक्षा की। उनका यह कदम यह सिद्ध करता है कि देश की रक्षा और राष्ट्रभक्ति ही मानव का सबसे बड़ा और सच्चा धर्म है।	
XIII. **43**	अपठित गद्यांश के उत्तर । बालक अपने माता पिता से अनुकरण द्वारा जिस भाषा को सीखता है , वह उसकी मातृभाषा होती है । वह उसके घर में बोली जाती है और विद्यालय में जाने से पहले भी बालक अपने घरेलू भाषा में बातचीत कर लेता है। प्रायः किसी वर्ग विशेष , समाज विशेष , या प्रांत विशेष में बोली जाने वाली भाषा उसके सदस्यों की मातृभाषा है। वे घर में , घर से बाहर , मित्रों में , विद्यालय में और निकटवर्ती समाज में इसी भाषा का प्रयोग करते हैं। कई शिक्षाशास्त्रियों के मत में मातृभाषा के माध्यम से बालक को शिक्षा देना सुलभ और सुगम होता है। वह उस भाषा के घरेलू , अपरिमार्जित और व्याकरण रहित रूप से पहले ही परिचित होता है । केवल उसकी लिपि, व्याकरण तथा साहित्यिक रूप सिखाने से वह शीघ्र हृदयंगम कर सकता है। ऐसी भाषा के माध्यम से वह अन्य विषयों को भी शीघ्र पढ़ लिख सकता है । प्रश्न : a) मातृभाषा का मतलब समझाइए ।	**1×4=4** **(2+2)**

	b) मातृभाषा के माध्यम से बालक को शिक्षा देना सुलभ और सुगम क्यों है ? उत्तर: a) बालक अपने माता पिता से अनुकरण द्वारा जिस भाषा को सीखता है , वह उसकी मातृभाषा होती है । वह उसके घर में बोली जाती है और विद्यालय में जाने से पहले भी बालक अपने घरेलू भाषा में बातचीत कर लेता है। प्रायः किसी वर्ग विशेष , समाज विशेष , या प्रांत विशेष में बोली जाने वाली भाषा उसके सदस्यों की मातृभाषा है। वे घर में , घर से बाहर , मित्रों में , विद्यालय में और निकटवर्ती समाज में इसी भाषा का प्रयोग करते हैं। b) कई शिक्षाशास्त्रियों के मत में मातृभाषा के माध्यम से बालक को शिक्षा देना सुलभ और सुगम होता है। वह उस भाषा के घरेलू , अपरिमार्जित और व्याकरण रहित रूप से पहले ही परिचित होता है । केवल उसकी लिपि, व्याकरण तथा साहित्यिक रूप सिखाने से वह शीघ्र हृदयंगम कर सकता है। ऐसी भाषा के माध्यम से वह अन्य विषयों को भी शीघ्र पढ़ लिख सकता है ।	
XV. 44	पत्र लेखन । जन्मदिन पर आमंत्रित करते हुए अपने मित्र के नाम पत्र लिखिए । अथवा मेले में जाने का कारण बताकर चार दिनों की छुट्टी मांगते हुए अपने प्रधानाध्यापक के नाम पत्र लिखिए । उत्तर: पारिवारिक पत्र : i) स्थान एवं तिथि : 1/2 ii) संबोधन - अभिवादन : 1 iii) पत्र का कलेवर : 2 1/2 iv) समाप्ति : 1/2 v) पत्र पाने वाले का पता : 1/2 अथवा व्यावहारिक पत्र: i) स्थान एवं तिथि : 1/2 ii) प्रेषक / सेवा में : 1/2	**1×5=5**

	iii) संबोधन – विषय : iv) पत्र का कलेवर : v) समाप्ति :	1 2 1/2	
XV. **45**	**निबंध लेखन ।** a) हमारे राष्ट्रीय पर्व । b) दीपावल । **उत्तर :** i) भूमिका ii) विषय विश्लेषण iii) उपसंहार iv) भाषा और शैली	 1 2 1 **1**	**1X5=5**